# Self Respect

01-07-2014

✓वह भी समय आयेगा जबकि तुम बच्चे अन्तर्मुख हो जायेंगे । सिवाए बाप के और कुछ याद नहीं आयेगा । तुम आये भी ऐसे थे, कोई की याद नहीं थी । गर्भ से जब बाहर निकले तब पता पड़ा कि यह हमारे माँ-बाप हैं, यह फलाना है । तो फिर अब जाना भी ऐसे है । हम एक बाप के हैं और कोई उनके सिवाए बुद्धि में याद न आये ।

✓तुम बच्चों को तो रहना है बिल्कुल शान्त । तुम शान्ति का वर्सा ले रहे हो ना । अभी तुम रहते हो काँटों के बीच में । फूलों के बीच में नहीं हो । काँटो के बीच रह फूल बनना है ।

- ✓तुम बच्चों को शान्ति में रहना है । मनुष्य शान्ति के लिए बहुत धक्के खाते हैं । तुम बच्चे जानते हो हमारा मीठा बाबा शान्ति का सागर है । शान्ति कराते-कराते विश्व में शान्ति स्थापन करते हैं । अपने भविष्य मर्तबे को भी याद करो । वहाँ होता ही है एक धर्म, दूसरा कोई धर्म होता नहीं । उनको ही विश्व में शान्ति कहा जाता है ।

- ✓हमारा स्वधर्म है शान्त । ऐसे तो नहीं कहेंगे शरीर का स्वधर्म शान्त है । शरीर विनाशी चीज है, आत्मा अविनाशी चीज है ।

- ✓तुम बच्चों को भी ध्यान में रहे कि बाबा हमको वरदान देते हैं - सुख और शान्ति का ।
- ✓बाप कहते हैं मीठे- मीठे बच्चों! मीठे-मीठे तो सबको कहते हैं क्योंकि बच्चे तो सब हैं । जो भी जीव आत्मायें हैं वह सब बाप के बच्चे अविनाशी हैं । शरीर तो विनाशी है ।
- ✓बाप, बाप भी है, टीचर भी है-यही बात याद करनी है । ओहो! शिवबाबा बाप भी है, टीचर भी है, ज्ञान का सागर भी है । बाप ही बैठ अपना और रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान सुनाते हैं, जिससे तुम चक्रवर्ती महाराजा बन जाते हो ।

- ✓अभी तुमको मिलती है ईश्वरीय मत फिर मिलेगी दैवी मत । इस कल्याणकारी संगमयुग को कोई भी नहीं जानते हैं क्योंकि सबको बताया हुआ है, कलियुग अजुन छोटा बच्चा है । लाखो वर्ष पड़े हैं । बाबा कहते यह है भक्ति का घोर अन्धियारा । ज्ञान है सोझरा । ड्रामा अनुसार भक्ति की भी नूंध है, यह फिर भी होगी । अब तुम समझते हो भगवान् मिल गया तो भटकने की दरकार नहीं रहती । तुम कहते हो हम जाते हैं बाबा के पास अथवा बापदादा के पास । इन बातों को मनुष्य तो समझ न सके ।

- ✓तुम्हारा नाम है शिव शक्ति सेना । उन्होंने फिर नाम बन्दर सेना डाल दिया है । तुम जानते हो बरोबर हम बन्दर मिसल थे, अब शिवबाबा से शक्ति ले रहे हो, रावण पर जीत पाने । बाप ही आकर राजयोग सिखलाते हैं । इस पर कथायें भी अनेक बना दी है । अमरकथा भी कहते हैं । तुम जानते हो बाबा हमको अमरकथा सुनाते हैं । बाकी कोई पहाड़ आदि पर नहीं सुनाते ।

- ✓बेहद के बाप का जो बच्चों पर लव है, वह हद के बाप का हो न सके । 21 जन्मों के लिए बच्चों को सुखदाई बना देते हैं । तो लवली बाप ठहरा ना! कितना लवली है बाप, जो तुम्हारे सब दुःख दूर कर देते हैं । सुख का वर्सा मिल जाता हैं ।

- ✓वरदान: हजूर को सदा साथ रख कम्बाइन्ड स्वरूप का अनुभव करने वाले विशेष पार्टधारी भव

- ✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।